वेबसाईट : www.abvp.org पंजीकृत क्रमांक : S-385/1949-50

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद

केंद्रीय कार्यालय– 3, मार्बल आर्च, सेनापती बापट मार्ग, माटुंगा रोड (प.रे.), माहिम, मुंबई - 400016.
दूरभाष :(022) 24306321 / 24378866 फैक्स :24313938 ई–मेल : abvpkendra@gmail.com

दिनांक: 30 अप्रैल 2023

-:प्रेस विज्ञप्ति:-

'अभाविप प्रतिनिधिमंडल ने जनजातीय व क्षेत्रीय भाषाओं में दूरस्थ पाठ्यक्रम शुरू करने की मांग हेतु इग्नू कुलपति को सौंपा ज्ञापन।'

'भारतीय व जनजातीय भाषाओं में इग्नू शुरू करे दूरस्थ पाठ्यक्रम : अभाविप।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद् के राष्ट्रीय महामंत्री याज्ञवल्क्य शुक्ल के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने रविवार को दिल्ली में इग्नू के कुलपति प्रो नागेश्वर राव को भारतीय भाषाओं व क्षेत्रीय-जनजातीय भाषाओं में इग्नू द्वारा दूरस्थ पाठ्यक्रम शुरू करने की मांग हेतु ज्ञापन सौंपा है। अभाविप ने मांग की है कि दूरस्थ शिक्षा के लिए भारतीय भाषाओं के साथ जनजातीय, क्षेत्रीय भाषाओं में पाठ्यक्रम शुरू हो व गुणवत्तापूर्ण पाठ्यसामग्री तैयार की जाए, जिससे भारतीय भाषाओं व जनजातीय भाषा भाषी युवाओं के लिए शिक्षा के रास्ते आसान हो सकें।

वर्तमान में मेडिकल, फार्मेसी, इंजीनियरिंग आदि का पाठ्यक्रम व पुस्तकें विभिन्न भारतीय भाषाओं में तैयार करने आदि सराहनीय कदम उठाए जा रहे हैं। देश में विद्यार्थियों की बड़ी संख्या दूरस्थ शिक्षा पाठ्यक्रमों में अध्ययनरत है, अभाविप ने छात्रों से विस्तृत संवाद के माध्यम से यह निष्कर्ष पाया है कि भारतीय भाषाओं के साथ क्षेत्रीय व जनजातीय भाषाओं में दूरस्थ पाठ्यक्रम शुरू होने से जनजातीय व ग्रामीण क्षेत्रों के कामकाजी युवा उच्च शिक्षा में नामांकन लेंगे और ज्ञानार्जन में उन्हे भाषाई बाधा का सामना नहीं करना पड़ेगा।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के राष्ट्रीय महामंत्री याज्ञवल्क्य शुक्ल ने कहा कि, "भाषाएं केवल संचार का माध्यम ही नहीं अपितु संस्कृति की वाहक भी हैं। आज राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन के अंतर्गत भारतीय भाषाओं में पाठ्यक्रमों की शुरुआत द्वारा व्यापक स्तर पर बदलाव हो रहे हैं। दूरस्थ शिक्षा में यदि जनजाति व क्षेत्रीय भाषाओं में पाठ्यक्रम शुरू हो जाते हैं तो देश की एक बड़ी युवा आबादी शिक्षा प्राप्त कर सकेगी। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद आशा करती है कि इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय के साथ दूरस्थ शिक्षा दे रहे सभी शैक्षणिक संस्थान इस दिशा में सकारात्मक कदम बढ़ाएंगे।"

(यह प्रेस विज्ञप्ति केंद्रीय कार्यालय मंत्री श्री दिगंबर पवार द्वारा जारी की गयी है।)